

**मेवों का आयात**

2715. श्री हुजूम चन्द कच्छवाज :  
श्री राम सिंह आयरवाल् :  
श्री भारत सिंह चौहान :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राज्य व्यापार निगम द्वारा 1962 से 1966 तक वर्षवार कितने मूल्य के मेवों तथा गोले का आयात किया गया और कितनी मात्रा में;

(ख) उपरोक्त वर्षों में इन मेवों के आयात पर कितनी विदेशी मुद्रा खर्च की गई; और

(ग) इन वस्तुओं को किस दर पर बेचा गया और कितना लाभ हुआ ?

वाणिज्य मंत्री (श्री विमेश सिंह) :  
(क) से (ग) राज्य व्यापार निगम ने नारियल का कोई आयात नहीं किया है फिर भी, इन वर्षों में राज्य व्यापार निगम ने खोपरे का आयात किया। 1962-63, 1963-64, 1964-65, 1965-66 तथा 1966-67 के वर्षों में आयातित खोपरे तथा मेवों के मूल्य तथा मात्रा का विवरण मन्मा पटल पर रखा जाता है। (पुस्तकालय में रख दिया गया। [देखिये संख्या एल० टी० 695/67])

**तम्बाकू का निर्यात मूल्य**

2716. श्री जगन्नाथ राव खोसा :  
श्री हुजूम चन्द कच्छवाज :  
श्री राम सिंह आयरवाल् :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार विदेशों को निर्यात किये जा रहे तम्बाकू के मूल्यमूल्य कोषित करने का है;

(ख) वर्तमान निर्धारित मूल्य क्या है;

(ग) पिछले तीन वर्षों में किन किन देशों को तम्बाकू भेजा गया और देशवार मूल्य क्या थे; और

(घ) इस से कितनी विदेशी मुद्रा कमाई गई ?

वाणिज्य मंत्री (श्री विमेश सिंह) :

(क) से (ग). दो विवरण (अंग्रेजी में) मन्मा पटल पर रखे जाते हैं। [पुस्तकालय में रख दिये गये। देखिये संख्या एल० टी० -696/67]

(घ) 1967 में निर्यात से 30 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित होने की आशा है।

**Passenger Booking on Jabalpur-Itarsi Section**

2717. Shri Nitiraj Singh Chaudhary: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether Government propose to start passenger booking from Karapgaon, Junehta and Bakanj stations on the Jabalpur-Itarsi section of the Central Railway; and

(b) if not, the reasons therefor?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) Karapgaon station will be opened for passenger traffic shortly

It has also been decided to provide passenger booking facilities at Junehta and Bakanj stations. The work will be taken in hand as soon as necessary funds are available.

(b) Does not arise.

**Employees of H.E.C., Ranchi**

2718. Shri P. K. Ghosh: Will the Minister of Industrial Development and Company Affairs be pleased to state:

(a) in how many cases extension have been allowed after the date of

superannuation to the employees of the Heavy Engineering Corporation Ltd., Ranchi; and

(b) the details of all such cases giving periods of extension and the reasons for allowing such extensions?

The Minister of Industrial Development and Company Affairs (Shri F. A. Ahmed): (a) and (b). Extension after the date of superannuation has not been allowed to any of the regular employees of the Company. After superannuation from Government Service, 4 officers were appointed in the company as Deputy Controller of Shipping (Claims), Law Officer, Deputy Controller (Movement) and Town Administrator. The first 3 officers have been granted extension till September, 1967 and the last officer till June, 1968. In view of the nature of work handled by them and their experience and suitability the extensions granted were considered necessary.

समुदाय द्वारा कुछ उच्चतकनिक उत्पादों पर दी गई टैरिफ रियायतों का उपयोग करने के लिये आवश्यक कार्यवाही की गई है। इसी प्रकार अन्य सुविधाओं, जैसे व्यापारिक भेदों तथा प्रदर्शनियों में भाग लेने की सुविधाओं और भारत के उत्पादों की बिक्री के लिये तकनीकी सहायता का यथासम्भव अधिकतम उपयोग किया जा रहा है।

(ख) ऐसा कोई उदाहरण नहीं है।

(ग) भारत से निर्यात किये जाने वाले उत्पादों पर यूरोपीय अधिक मसुदाय द्वारा दी गई रियायतें निम्न प्रकार हैं :—

	लाख ₹०
1963	480
1964	537
1965	511
1966	437

### यूरोपीय बाजार बाजार

2719. श्री स० च० साबन्त : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यूरोपीय बाजार बाजार के सदस्य देशों द्वारा भारतीय व्यापार के लिये दी गई सुविधाओं का लाभ उठाने के लिये कार्यवाही की जा रही है;

(ख) किन किन देशों ने कठिनाइयाँ पैदा की हैं जबकि जर्मनी में अपनी प्रतिष्ठा व्यक्त की है; और

(ग) यूरोपीय बाजार बाजार के सदस्य देशों द्वारा दी गई व्यापार सुविधाओं से भारत को क्या हानि हुई है जबकि क्या लाभ हुआ है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह) :

(क) अप्रैल 1964 से शुरू की गयी कृपा बताने के रूप में यूरोपीय वाणिज्य

इस प्रकार 1963 से 1965 की अवधि में हमारे निर्यात में साधारण सी वृद्धि हुई है। 1966 में गिरावट के कई कारण हैं जो अधिकांशतः प्रान्तरिक हैं जैसे घरेलू खपत में वृद्धि तथा उत्पादन में कमी होना।

### Import of Cashewnuts

2720. Shri Mangalathumatom: Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether representations have been received from Cashew industrialists in Kerala for importing cashewnuts in order to run the cashew factories throughout the year; and

(b) if so, the steps taken on these representations?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): (a) No, Sir.

(b) Import of Cashewnuts is being allowed under Open General Licence.